ज्वालामुखी योग - 15

अव्यक्त बापदादा :-

➳ _ ➳ जब साईन्स के साधन धरती पर बैठे हुए स्पेस (अंतरिक्ष) में गए हुए यन्त्र को कन्ट्रोल कर सकते हैं, जैसे चाहे जहाँ चाहे वहाँ मोड़ सकते हैं, तो **साईलेन्स के शक्ति-स्वरूप, इस साकार सृष्टि में श्रेष्ठ संकल्प के आधार से जो सेवा चाहे, जिस आत्मा की सेवा करना चाहे वो नहीं कर सकते?**

➳ _ ➳ लेकिन **अपनी-अपनी प्रवृति से परे अर्थात् उपरामरहो।** जो सभी खज़ाने सुनाए वह स्वयं के प्रति नहीं, विश्व-कल्याण के प्रति यूज (प्रयोग) करो। समझा, अब क्या करना है?

➳ _ ➳ आवाज़ द्वारा सर्विस, स्थूल साधनों द्वारा सर्विस और **आवाज़ से परे 'सूक्ष्म साधन संकल्प' की श्रेष्ठता, संकल्प शक्ति द्वारा सर्विस का बैलेन्स प्रत्यक्ष रूप में दिखाओ** तब विनाश का नगाड़ा बजेगा। समझा ? (07.01.1977)

➢➢ संकल्पों से किस किस प्रकार की सेवा हो सकती है ?

➳ _ ➳ पांच प्रकार की आत्माओं की सेवा

→ स्व सेवा

- संकल्प शक्ति से हम स्वयं को गिरा भी सकते हैं तो उठा भी सकते हैं
- संसार के कल्याण से पहले स्वयं का कल्याण करो
- हद के संस्कारों से स्वयं को मुक्त करो
- **You Can Not Stop The Waves But You Can Surf Over Them....**

→ अज्ञानी आत्माओ की सेवा

- आह्वान करना - परमात्म सन्देश देना
- सुख शांति की अनुभूति करवाना
- विघनो का विनाश करना
- शारीरिक कष्ट मिटाए जा सकते हैं
- आत्मिक स्वरुप का अनुभव करवाना
- विकर्म विनाश करना
- **उनके मन में श्रेष्ठ संकल्प प्लांट कर सकते हैं**
- टेलिपाथी मेसेज भेज सकते हैं

- विरोधी को सहयोगी बनाया जा सकता है
- वैराग की लहर

→ ब्राहमण आत्माओं की सेवा

- तीव्र पुरुषार्थ का उमंग उत्साह भरना

→ भूतपूर्व ब्राहमण आत्माओं की सेवा

→ एडवांस पार्टी की आत्माओं की सेवा

→ प्रकृति की सेवा

- माफ़ी मागना
- शांत करना
- चार्ज करना
- सहयोगी बनाना

➢➢ मनसा सेवा किस विधि से करें ?

➳ _ ➳ आह्वान करना

➳ _ ➳ दृष्टि देना

➳ _ ➳ उनके सूक्षम शरीर के सर पर हाथ रख वरदान देना

➳ _ ➳ तिलक देना

➳ _ ➳ हाथ में हाथ रख शक्तियां ट्रान्सफर करना

➳ _ ➳ समपूरन फ़रिश्ता स्वरुप में देखना

➳ _ ➳ उन्हें भी मनसा सेवा करते हुए देखना